प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
-सम्पादक

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 9 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 नवम्बर, 2018 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

विश्व की सबसे ऊंची सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रतिमा का अनावरण

केवड़िया (गुजरात)। सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल की 143वीं जयंती पर उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण किया। इसे गुजरात के नर्मदा जिले के केवड़िया में नर्मदा नदी के किनारे साधु बेट नाम के टापू पर बनाया गया है। सरदार पटेल की यह प्रतिमा अमेरिका के स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी (93मी.) से दोगुनी ऊंची है। मोदी ने कहा- यहां देसी रजवाड़ों से संबंधित म्यूजियम भी बनाया जाएगा। यह प्रतिमा न्यू इंडिया के नए आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है। हैरान हूं कि कुछ लोग इसे राजनीति के चश्मे से देख रहे हैं।

350 रुपए का टिकट लगेगा, फोटो खिंचाने के लिए सेल्फी पॉइंट भी

- ऑनलाइन बुकिंग शनिवार से, सरकार को रोज 10 हजार लोगों के आने की उम्मीद है।
- स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा। आज शुरू होगा।
- 3 स्टार होटल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बना है। होटल की बुकिंग ऑनलाइन भी होगी।
- यह स्थान अहमदाबाद से 200 किमी दूर है। करीब साढ़े तीन घंटे का सफर होगा।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित नाट्य प्रोग्राम रविन्द्र मंच पर प्रस्तुत

जयपुर। भारत रत्न भीमराव अंबेडकर के जीवन पर आधारित नाटक जय भीम का 30.10.2018 को रवींद्र मंच पर मंचन किया गया। कंडेरा मीडिया मूवी थिएटर संस्थान के बैनर पर खेले गए इस नाटक का लेखन और निर्देशन प्रेम सिंह कंडेरा ने किया। नाटक में उनके तिरस्कार को झेलते हुए शिक्षा ग्रहण करने, आर्थिक परेशानियों के बावजूद अपने दम पर अमेरिका और लंदन जैसी यूनिवर्सिटी से (शेष पृष्ठ 3 पर)

नाटक जय भीम के कलाकारों को समारोह में पधारे अतिथि प्रदेशाध्यक्ष प्रानतीय बैरवा प्रगति संस्था श्री महेश धावनिया, अक्षय पात्र के महन्त देवकी तनयादास प्रभु एवं श्री अशोक सामरिया द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अतः समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

बैरवा छात्रावास के प्रथम तल का लोकार्पण

युवा दिलों की धड़कन व समाज के युवा नेता श्री प्रशान्त बैरवा पुत्र स्व. श्री द्वारका प्रसाद बैरवा पूर्व सांसद ने बैरवा छात्रावास में सबसे ज्यादा 5 लाख 12 हजार की राशि का योगदान दिया।

जयपुर। बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति के तत्वावधान में निर्मित बैरवा छात्रावास, जयपुर के प्रथम तल का लोकार्पण समारोह 14 अक्टूबर, 2018 को सर्वाच्च आर्थिक सहयोग करने वाले प्रथम भामाशाह (राशि रुपये 5.12 लाख) प्रशान्त बैरवा सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी पुत्र स्व. द्वारका प्रसाद बैरवा पूर्व सांसद-टोंक के मुख्य आतिथ्य एवं द्वितीय सर्वाच्च भामाशाह (राशि रुपये 4.17 लाख) डॉ. आर.सी. बंशीवाल पुत्र स्व. मोहन लाल बंशीवाल, वरिष्ठ प्रोफेसर (ऑर्थो) सवाईमानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रशान्त बैरवा द्वारा फीता काटकर बैरवा छात्रावास के प्रथम तल का अनावरण करते।

बैरवा छात्रावास अनावरण समारोह के दौरान मंचासीन श्री बी.एल. बैरवा, श्री राकेश बैरवा, श्री जगदीश बैरवा, श्री हरिनारायण बैरवा, श्री लालाराम बैरवा, श्री प्रशान्त बैरवा, श्री महेश धावनिया, डॉ. आर.सी. बंशीवाल, श्री दीपचन्द बैरवा, श्री आर.के आकोदिया, श्री जगदीश प्रसाद बैरवा, श्री एस.के. बैरवा आदि।

मुख्य अतिथि समारोह अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर तथा बैरवा समाज के युग पुरुष संत शिरोमणी बालीनाथ जी महाराज के चित्रों पर पुष्पांजलि कर तथा दीप प्रज्वलित करने के पश्चात फीता काटकर प्रथम तल का लोकार्पण किया। समारोह में अतिथि रूप में सर्वश्री हरिनारायण बैरवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा, प्रदेशाध्यक्ष कजोड़मल बैरवा, महामंत्री मोहन प्रकाश बैरवा एडवोकेट, महेश धावनिया प्रदेशाध्यक्ष प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, ओमप्रकाश बैरवा, निदेशक सांख्यिकी विभाग, राजस्थान सरकार, बी.एल. बैरवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष एससी-एसटी, रेलवे कर्मचारी संघ, डॉ. मोतीलाल बैरवा, संस्थापक अध्यक्ष, आर.के. आंकोदिया पूर्व संस्था अध्यक्ष, शंकरलाल नागरवाल पूर्व संस्था संयोजक, एस.के. बैरवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय प्रगतिशील बैरवा महासभा, लालाराम बेरवा आई. एफ. (से.नि.), लक्ष्मी नारायण बैरवा आई.ई. एस (से.नि.), जे.पी. बैरवा आर.एस.एस. मेहन्द्र कुमार बैरवा अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित (शेष पृष्ठ 2 पर)

बैरवा सेवानिवृत

जयपुर। श्री रामप्रकाश बैरवा सहायक प्रशासनिक अधिकारी जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. जयपुर के पद से दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 को अपने 40 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त राज्य सेवा से सेवानिर्वत हुऐ।

इस अवसर पर विभाग की और से श्री बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया साथ ही संगम पैराडाईज, मुकुन्दपुरा रोड़, भांकरोटा, अजमेर रोड़, जयपुर में श्री रामप्रकाश बैरवा का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बांधकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

दिनांक 30 अक्टूबर 2018 को विनोबा ज्ञान मन्दिर बापू नगर, जयपुर में पत्रकार वार्ता का आयोजन कर दलित अधिकार केन्द्र के संस्थापक पी.एल. मिमरोठ द्वारा संचालित दलित इलेक्षन वॉच, राजस्थान द्वारा दलित घोषणा पत्र जारी करते।

सम्पादकीय

स्वच्छता व प्रकाश का पर्व भी है दीपावली

दिवाली या दीपावली हिंदुस्तान में मनाया जाने वाला एक प्राचीन पर्व है जो कि हर साल कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है, इसके पीछे पौराणिक मान्यता है कि दीपावली के दिन हिंदुओं के आराध्य अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चैदह वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या वापस लौटे थे। इससे पूरा अयोध्या अपने राजा के आगमन से हर्षित और उल्लासित था। अयोध्या के लोगों ने इसी खुशी में श्री राम के स्वागत में घी के दीप जलाए। कार्तिक मास की काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों के उजाले से जगमगा उठी। मान्यता है कि तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश-पर्व दिवाली के रूप में हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। दीपावली का प्रकाश बुराई पर अच्छाई की जीत और भगवान श्री राम के जीवन में मौजूद महान आदर्शों और नैतिकता में हमारे विश्वास का प्रतीक है।

दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। लोग कई दिनों पहले से ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ कर देते हैं, और सब अपने घरों, प्रतिष्ठानों आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं। दिवाली के आते ही घरों में मरम्मत, रंग-रोगन, सफेदी आदि का कार्य होने लगता है। लोग अपने घरों और दुकानों को साफ सुथरा कर सजाते हैं। इसके पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी जी उसी घर में आती है यहाँ साफ-सफाई और स्वच्छता होती है। पुराणों में बताया गया है कि दीपावली के दिन ही लक्ष्मी ने अपने पति के रूप में भगवान विष्णु को चुना और फिर उनसे विवाह किया। इसलिए घर-घर में दीपावली कि रात को लक्ष्मी जी का पूजन होता है। दिवाली के दिन लक्ष्मी जी के साथ-साथ भक्त की हर बाधा को हरने वाले गणेश जी, ज्ञान की देवी सरस्वती माँ, और धन के प्रबंधक कुबेर की भी पूजा होती है। बेशक देश में स्वच्छता, साफ-सफाई का प्रतीक दीवाली पर्व मनाया जाता हो लेकिन आज भी स्वच्छता देश की सबसे बड़ी जरूरत है। हमारी सरकार की पुरजोर कोशिशों के बाद भी भारत में स्वच्छता अभियान सिर्फ सरकारी कार्यक्रम बनके रह गए हैं। हजारों संस्थाएं सिर्फ फोटोग्राफ्स के लिए अभियान चलाती हैं और वाहवाही लूटती हैं। लेकिन स्वच्छता के प्रति उनका योगदान फोटो कराने के अलावा तनिक भर भी नहीं हैं। मगर भारत में सरकार के साथ-साथ कई ऐसी संस्थाएं भी हैं जो वास्तविक स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। दिवाली के दिन देश में पटाखों के जरिए बहुत वायु प्रदूषण होगा। जिस जगह स्वच्छता, साफ-सफाई और प्रदूषण कम होगा वहीं लक्ष्मी जी का वास होगा। अगर लक्ष्मी जी का वास होगा तो सबके जीवन में वैभव, ऐश्वर्य, उन्नति, प्रगति, आदर्श, स्वास्थ्य, प्रसिद्धि और समृद्धि आयेगी।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

युवा कारवां वाहक

आज बाबा साहब के कारवां को आगे ले जाने का काम तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग विभिन्न संस्थानों के माध्यम से कर रहा है। इनकी कार्यशैली मंचीय है। मंचीय प्रोग्राम आवश्यक रूप से एक मार्गीय होते हैं। वक्ता भाषण देता है उस भाषण की प्रमाणिकता कभी सिद्ध नहीं होती। ताली बजती है, धन्यवाद ज्ञापित होता है और प्रोग्राम समाप्त।

कहा जाता है कि अच्छी तरह से परिभाषित समस्या में ही समाधान छुपा हुआ रहता है। बाबा साहब ने हमारी मानवीय समस्याओं का विश्लेषण किया, उनकी पहचान की तथा समाधान भी सुझाए। हमारे कल्याण के लिए उन्होंने संदेश दिया- ''मैंने तुम्हारे लिए जो कुछ भी किया है वह बेहद मुश्किलों, असहनीय दुःखों और बेशुमार विरोधियों का मुकाबला करके किया है। यह कारवां आज जिस जगह पर है इसे हमेशा आगे ही बढ़ाते रहें, चाहे कितनी ही रूकावटे क्यों न आएं। यदि मेरे सिपहसालार उसे आगे न बढ़ा सके तो उसे यही छोड़ दें परन्तु किसी भी हालत में इसे पीछे न जाने दें। आप लोगों को मेरा यही अंतिम संदेश है।''

यह मात्र एक कथन ही नहीं था बल्कि एक महामानव का मूलवासियों बहुजनों के लिए सलाह, आदेश तथा कारवां को आगे ले जाना का मंत्र भी था। इस कथन से चार बातें स्पष्ट रूप से उभर कर आती है। पहली, यह कारवां क्या था? दूसरी यहां तक पहुंचने का मार्ग तथा तीसरी बात उसको आगे ले जाने की योग्यता एवं कार्यक्रम क्या थे। ''यदि मेरे ... तो इसे यही छोड़ दें ...'' से यह भी स्पष्ट होता है कि बाबा साहब को बहुजनों को समर्थ पर संदेह था।

बाबा साहब के कारवां से तात्पर्य उनके द्वारा चलाएं गए आंदोलन के मुख्य उद्देश्य से था। यहां यह बात साफ करनी होगी कि बाबा साहब ने अपना आंदोलन किसी अन्य वर्ग के साथ मिलकर नहीं चलाया बल्कि स्वतंत्र रूप से चलाया था। यह आंदोलन मूलनिवासी, बहुजनों के लिए तथा बहुजनों द्वारा चलाया गया स्वतंत्र आंदोलन था। बाबा साहब से पहले बहुजन जानवरों से भी बदत्तर स्थिति में थे। वो अधिकार विहीन गुलाम थे। बाबा साहब ने ही अन्याय के विरोध की भावना का निर्माण किया तथा संघर्ष का रास्ता सिखाया। विधायिका एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण के माध्यम से अछूतों का राजनीति एवं प्रशासन में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित् किया, शिक्षा के लिए सदियों से बंद पड़े दरवाजों की तलाश तोड़कर अछूतों के लिए खोल दिए तथा अन्त में संघर्ष का मार्ग अपनाकर सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में क्रान्ति का आगाज किया। 24 सितम्बर 1944 को मद्रास में बाबा साहब ने अपने राजनैतिक लक्ष्य के बारे में कहा था ''हमारा अंतिम लक्ष्य इस देश के लिए शासक बनना है। जाईए इस लक्ष्य को अपने घरों की दीवारों पर लिख दो ताकि कभी भूल न सके। हमारी लड़ाई कुछ नौकरियों एवं सहूलियतों के लिए नहीं है परन्तु हमारा लक्ष्य बड़ा है वह लक्ष्य इस देश का शासक बनने का है।'' उनका मानना था कि राजनैतिक सत्ता वह मास्टर चॉबी है जिसके विकास के सभी ताले खोले जा सकते हैं। संघर्ष के बारे में कहा ''हमारा संघर्ष केवल सत्ता और सम्पत्ति के लिए नहीं है बल्कि सामाजिक स्वतंत्रता एवं आत्म सम्मान के लिए है।'' कांग्रेस की राजनैतिक सुधार एवं स्वराज्य की मांग के संदर्भ में बाबा साहब का स्पष्ट मत था कि राजनैतिक स्वतंत्रता से यह सामाजिक स्वतंत्रता जरूरी है बिना सामाजिक सुधारों के स्वराज्य बेमानी होगा। बाबा साहब के विचारों एवं आंदोलनों के आधार पर हम कह सकते हैं कि उनके आंदोनल धार्मिक गुलामी, अमानवीय सामाजिक व्यवस्था (जातिवाद),स्त्री पराधीनता, रूढिवाद एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ थे। राजनैतिक सत्ता तो केवल माध्यम था उन महान उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए, जिनके कि वो हिमायती थे। संक्षेप में बाबा साहब के आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ''नवजागरण'' अर्थात् संपूर्ण सामाजिक परिवर्तन था।

क्रमशः

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी (बलाई), 27 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, एम.कॉम, पिता-बैंक अधिकारी, गौत्र-राघेरा, नारनोलिया, खेडिया, सामने नोहरवाल न हो। मो. 9414296277
* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., वर्तमान में प्राईवेट अध्यापक, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जारवाल, खोड़वाल, जोनवाल। मो. 9887732558
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.बी.बी.एस., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-उचैनिया, भीमवाल, रेवाडिया। मो. 9418173764
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, जीनवाल, सामने मीमरोठ ना हो। मो.-8104196500
* दौसा निवासी, 26 वर्ष (बाएं पैर से विकलांक), शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में जे.ई.एन., पी.एच.ई.डी. जयपुर, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-सेवारिया, कुवाल, बड़गोतिया, मो.-9414369867
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मुराड़िया ना हो, मो. 7976069646
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-टाटीवाल, बड़गौती (लाड़ोतिया), जारवाल, सामने मेहर ना हो, मो. 8058613154
* बारां निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मीमरोठ, जारवाल, सिवतिया
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए, पीजीडीसीए पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भूराहाड़िया, गोनावत, सिरोहिया, मो. 7597493946
* जयपुर निवासी तलाकशुदा, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, चरावण्डिया, सामने जाटवा ना हो, मो. 9413488484
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., एम.बी.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-लोदवाल, मरमट, बंशीवाल, मो.-0141-2705878, 8952981915

वधू चाहिए

* दौसा निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., वर्तमान में सरकारी अध्यापक, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-बेण्डवाल, नागरवाल, जोरवाल, जारवाल, सामने लोदवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बीसीए, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-देवतवाल, जारवाल, भहरवाल, मो.-9950714872
* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, प्राईवेट सर्विस, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, नीमरोठ
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बीए, एमए, निजी ज्वैलरी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9829542057
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, शिक्षा-बीए, एलएलबी, कर सलाहकार, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9782199234
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-दसवीं, बिग बाजार में ज्यूस की दुकान पर सर्विस, गौत्र-लोदवाल, गोठवाल, बीलवाल
* गंगापुरसिटी निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-लोदवाल, माली, बागोरिया, मो.-7073799722, 9530157307
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., वर्तमान में अशोक लीलैण्ड कम्पनी में अकाउंटेंट, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बड़ोदिया, नागरवाल, टाटीवाल, जाटवा, मीमरोठ, मो.-9950391188
* टोंक निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए., एम.बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहरा, गोमलाडू
* टोंक निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., वर्तमान में स्वयं की वेबसाइट डिजाइन ऑफिस, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोमलाडू, मीमरोठ, कुण्डारा, सामने तलावलिया ना हो
* गोनेर (जयपुर) निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., कम्प्यूटर इंजीनियर, स्वयं का कोचिंग सेन्टर, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बंशीवाल, मीमरोठ, मो.-9887183044

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

बैरवा छात्रावास के प्रथम तल... (पृष्ठ 1 का शेष)

संस्था के पदाधिकारीगण कार्यकारी समिति के सदस्यगण, निर्माण समिति एवं छात्रावास प्रबंधन समिति के पदाधिकारीगण, समाज के प्रशासनिक एवं अन्य सेवाओं के अधिकारीगण, विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्तागण, समाज की महिलाऐं एवं पुरुष, प्रबुद्ध लोग सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे। सभी अतिथियों का फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

प्रथम भामाशाह प्रशान्त बैरवा, द्वितीय भामाशाह डॉ. आर.सी. बंशीवाल के साथ ही प्रथम तल में कमरा अथवा अन्य निर्माण पेटे राशि रुपये 1.51 लाख या इससे अधिक आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाह सर्वश्री अनुराग गौतम पुत्र लालराम बैरवा, जगदीश प्रसाद एवं बद्रीप्रसाद गंगवाल पुत्र छीतरलाल (चकवाड़ा), ओमप्रकाश गोठवाल पुत्र रामसहाय गोठवाल, सत्यनारायण (कीरतपुरा) ठेकेदार के पिता नाथूलाल, डी. पी. बैरवा, राजेश कुमार बैरवा के पिता हरिनारायण बैरवा ग्राम जयप्रकाशपुरा, कजोड़मल बैरवा, ठेकेदार (प्रदेशाध्यक्ष) पुत्र भंवरलाल बैरवा, रोडूराम सुलानिया पुत्र स्व. रघुनाथ बैरवा, बंशीवाल सुलानिया पुत्र जैनाराम, डॉ. आर.पी. डोरिया पुत्र मुरलीधर, एस.के. बैरवा, बद्रीनारायण, प्रेमचन्द, रामावतार, मेहन्द्र एवं इनकी माताजी श्रीमती कानी देवी पती स्व. रामलाल, श्रीमती जड़ाव देवी पत्नी स्व. कृष्ण बैरवा एवं उनके पुत्र जे.पी. बैरवा अर.ए.एस., सीताराम स्वरूप पुत्र एस.आर. स्वरूप, कैलाश चन्द्र बैरवा पुत्र नाथूराम बैरवा ग्राम बावड़ी, जगदीश प्रसाद बैरवा, आर.टी.ओ., देवी सहाय एवं राधेश्याम पुत्र कानाराम ग्राम चावण्ड, एल.एन. बैरवा आई.ई.एस. ग्राम चकवाड़ा को फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस संस्था का अध्यक्ष बनने के बाद दीपचन्द बैरवा आई.एफ.एस. (से.नि.) के अध्यक्षीय कार्यकाल में सही समय पर प्रथम तल के गुणवत्ताकारी निर्माण कार्य सम्पन्न कराने के लिए अतिथियों द्वारा उनका माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समाज के व्यक्तियों द्वारा प्रकाशित समाचार पत्रों के प्रतिनिणियों में सुनील कुमार (दीक्षा दर्पण), एस.के. बैरवा (लोकतंत्र का संदेश), प्रभुलाल बैरवा (बैरवा युग), महेश धावनिया (श्री बाबा), सुरेश कांस्या (पत्रकार) एवं छात्रावास में रहते हुए सेवारत हुए 5 छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

सामुहिक नाश्ते के पश्चात सचिव छात्रावास प्रबंधन समिति रोडूराम सुलानिया ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया।

पटाखे जलाते वक्त बरतनी चाहिए सावधानी

साल भर के इंतजार के बाद लीजिए दीपावली भी आ ही गई। अमावस्या की रात घर को रोशनी से जगमग करने की तैयारी में क्या गरीब और क्या अमीर सभी अपने-अपने तरीके से जुटे रहे। लेकिन अपने लिए और बच्चों के लिए अगर आप पटाखे खरीदने बाजार जा रहे हैं तो जरा रुकिए। क्या आपको पता है कि सुप्रीम कोर्ट ने भारत में पटाखों को चलाने का समय निर्धारित कर दिया है? क्या आपको पता है कि पटाखे छोड़ने से हम सभी किन बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। क्या आपको मालूम है हम अपनी क्षण भर की खुशी के लिए पूरी प्रकृति और अपने आसपास के पर्यावरण को कितना नुकसान पहुंचाते हैं?

कोई दो राय नहीं कि दीपावली पर पटाखों की खरीदारी बरसों से होती आई है। बड़े इसे चलाएं या न चलाएं मगर बच्चों की जिद के आगे वे बेबस होते हैं और मजबूर होकर एक-दो सौ से लेकर हजार और दस हजार रुपए तक के पटाखे खरीद लाते हैं। इनमें कई पटाखे ऐसे होते हैं जो 125 डेसिबल की ध्वनि मात्रा से भी ज्यादा होते हैं। ये वे पटाखे हैं जिन पर भारतीय केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी पाबंदी लगा रखी है। मगर कोई सुनने को राजी नहीं, सौ या हजार बमों की लड़ियां या जिसे लोग चटाई बम भी कहते हैं, उससे होने वाला विस्फोट और धुएं से तो आसपास का वातावरण बुरी तरह दूषित हो जाता है। इन पर भी सख्त पाबंदी लगाने की कोशिश हो रही है। भारत में बढ़ती आबादी से वैसे ही पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। मगर दिवाली की रात पटाखों से निकलने वाले धुएं से यह प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है। मगर कुछ पल की खुशी और पैसे के दिखावे के आगे लोग आंखे मूंदे रहते हैं। उन्हें शायद पता नहीं होता कि वे पटाखे जला कर वायुमंडल में कितना प्रदूषण घोल रहे हैं। यही वजह है कि दिल्ली में पिछले तीन-चार साल से बाकायदा अभियान चलाया जा रहा है। यहां हर साल कई स्कूली बच्चे पटाखे न चलाने की शपथ लेते हैं। हालांकि इस अभियान को पूरी सफलता मिलनी अभी बाकी है।

दरअसल इन पटाखों में जिन रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है वह बेहद खतरनाक है। कॉपर, कैडियम, लेड, मैग्नेशियम, सोडियम, जिंक, नाइट्रेट और नाइट्राइट जैसे रसायन का मिश्रण पटाखों को घातक बना देते हैं। इससे 125 डेसिबल से ज्यादा ध्वनि होती है। अचानक इन पटाखों से फटने से आदमी कुछ पल के लिए बहरा हो जाता है। कई बार पीड़ित स्थायी रूप से भी बहरा हो जाता है। पटाखों से निकली चिंगारी से हर साल सैंकड़ों लोगों की आंखें और चेहरे जख्मी हो जाते हैं। सांस की बीमारी तो होती ही है। ऐसे समय में दमे के रोगी की परेशानी बढ़ जाती है। डॉक्टरों के मुताबिक पटाखों से आम जन ही नहीं घरों और अस्पतालों में मरीजों और वृद्धों को भी काफी परेशानी होती है। पालतू पशु-पक्षियों की हालत और खराब होती है। मनुष्यों की श्वास नली में रुकावट, गुर्दे में खराबी और त्वचा संबंधी बीमारियां हो जाती हैं। इसके अलावा हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक का भी खतरा रहता है। मानसिक अशांति और घबराहट के साथ उल्टी होना आम बात है। कई बार नर्वस सिस्टम भी गड़बड़ा जाता है। फिर भी लोग पटाखे चलाने के लिए क्यों उतावले हैं यह समझ से बाहर हैं? हर साल पटाखों से न सिर्फ

दुकानों में बल्कि घरों में भी आग लग जाती है। न जाने कितने लोग झुलस जाते हैं। इन हादसों में न जाने कितने घरों की खुशियां भी झुलस जाती हैं। अगर इन पटाखों से घर के सदस्य, पड़ोसी और हमारे आस-पास का वातावरण प्रदूषण की चपेट में आता है तो हमारा क्या कर्तव्य बनता है। क्या फिर भी हम अपने स्वार्थ, अपनी खुशी और दिखावे के लिए पटाखे चलाते रहेंगे? दुखद यह है कि इन पटाखों को बनाने वाले ज्यादातर बच्चे और किशोर होते हैं। उन पर खतरनाक रसायनों का भयावह असर होता है। कुछ सालों के बाद वे बीमार होते जाते हैं और युवावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उनकी मृत्यु हो जाती है।

पटाखों के संबंध में कई नियम भी बने पर जब लोगों को अपने पर्यावरण की ही चिंता नहीं तो कानूनी नियम की क्या करें। निद्रा मनुष्य का मौलिक अधिकार है। इसे ध्यान में रखते हुए ही सितम्बर 2001 में सुप्रीम कोर्ट ने दस बजे के बाद ज्यादा शोर और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे चलाने पर अंकुश लगाया था मगर फिर भी लोग देर रात तक पटाखे चलाते नजर आए। अस्पताल, शिक्षण संस्थान, कोर्ट और धार्मिक स्थलों से 100 किलोमीटर की दूरी तक पटाखे न चलाने के नियम बने। सर्वोच्च अदालत ने यह भी आदेश दिया कि पटाखे सिर्फ शाम छह बजे से रात दस बजे तक चलाए जाएं। बीस से भी ज्यादा ऐसे पटाखों पर बंदिश लगाई गई जो 125 डेसीबल की ध्वनि सीमा से ज्यादा थे। यहां तक कि अक्टूबर 1999 में ऐसे पटाखे बनाने पर भी बंदिश लगा दी गई थी जिनका विस्फोट 125 डेसीबल से ज्यादा था। मगर आज भी इन नियमों का उल्लघन हो रहा है और वातावरण प्रदूषित हो रहा हैं।

कई स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं का कहना है कि हम बच्चों को तो पटाखों के नुकसान के बारे में बताते ही हैं साथ ही बच्चों के माता-पिता को भी यह बताते हैं कि वे खुद भी पटाखे न चलाएं और न ही अपने बच्चों को चलाने की अनुमति दें। ऐसे मौके पर बच्चों को भारत की परम्परा और त्योहारों पर पवित्रता और उसके उद्देश्य के बारे में बताएं। दीपावली भारत का ही नहीं बल्कि विश्व भर के हिंदुओं का त्योहार है। इसमें अन्य धर्मों के लोग भी उत्साह से शामिल होते हैं। इसकी पवित्रता को यों ही धुएं में न उड़ाएं। इस त्योहार को मनाने के लिए घर को सजा कर उसे दीये, मोमबत्ती और बिजली के बल्बों से जगमग करें। मुख्य द्वार और आंगन में रंगोली बनाएं। महिलाएं इस दिन बच्चों-बड़ों के लिए कई तरह के पकवान बना सकती हैं। गणेश-लक्ष्मी की पूजा के बाद अपने घर की सजावट को निहारें। इससे बेहद खुशी मिलेगी। ईश्वर की बनाई इस सुंदर प्रकृति को बचाए रखने में अपना योगदान दें।

तुलसी के बीज के ये अनोखे फायदे

तुलसी एक औषधीय पौधा है, जिसका हर हिस्सा कई दवाओं को बनाने के काम आता है। अधिकतर लोग इसके पत्तों के फायदों के बारे में ही जानते हैं, मगर आपको बता दें कि तुलसी के बीज भी कई शारीरिक समस्याओं का निदान कर सकते हैं। इन्हें अधिकतर मिठाई या पेय पदार्थों में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन आयुर्वेद और चाइनीज औषधीय विज्ञान में तुलसी के बीजों को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। इनमें काफी मात्रा में पोषण, प्रोटीन, फाइबर और आयरन होता है। इन्हें सब्जा भी कहा जाता है, जो कि आपको कई स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं। आइए जानते हैं कि तुलसी के बीज किन समस्याओं में फायदेमंद साबित होते हैं।

सूजन में कमी

तुलसी के बीज में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो कि शरीर के किसी हिस्से में आई सूजन और एडिमा जैसी बीमारियों का उपचार कर सकते हैं। साथ ही इसका इस्तेमाल डायरिया में भी आपको राहत दिलाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना

तुलसी के बीज में मौजूद फ्लेवोनोइड और फेनोलिक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इन बीजों में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो आपकी कोशिकाओं को स्वस्थ रखने और क्षतिग्रस्त होने में मदद करते हैं।

पाचन क्षमता बढ़ाना

ये बीज पेट में जाने के बाद जिलेटनयुक्त परत बनाते हैं, जो कि पाचन क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करती है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर तत्व पाचन को बढ़ाता है।

हृदय को स्वस्थ बनाना

तुलसी के बीज शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करते हैं, जिससे यह हृदयघात के प्रमुख कारण उच्च रक्तचाप और स्ट्रेस को कम करते हैं। ये बीज शरीर में लिपिड स्तर को बढ़ाते हैं और हृदय को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

खांसी-जुकाम में राहत

इन बीजों में एंटी-स्पैसमोडिक गुण होते हैं, जो खांसी-जुकाम जैसी बीमारियों में राहत पहुंचाते हैं। साथ ही इसकी मदद से बुखार का इलाज भी किया जा सकता है।

वजन कम करना

तुलसी के बीज में कैलोरी की मात्रा कम होती है और यह आपकी भूख भी मिटाता है। इसलिए इन्हें वजन कम करने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आपके पेट को ज्यादा देर तक भरा रखते हैं और आपकी अस्वस्थ खानपान करने की संभावनाओं को कम करते हैं।

नाटक जय भीम...

(पृष्ठ 1 का शेष)

डिग्रियां हासिल करना और महराज बड़ौदा व कॉलेज में नौकरी के दौरान अपने मूल भूत अधिकारों के लिए संघर्ष आदि के घटनाक्रमों को इस नाटक में दर्शाया गया। नाटक में प्रेम सिंह कंडेरा, शालिनी कंडेरा, अनामिका कंडेरा आदि कलाकारों ने अभिनय किया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष प्रानतीय बैरवा प्रगति संस्था श्री महेश धावनिया, अक्षय पात्र के महन्त देवकी तनयादास प्रभु एवं श्री अशोक सामरिया सहित समाज के लोगों ने शिरकत की।

सेहतमंद बने रहने के लिए अपनाएं ये बेसिक टिप्स

सेहतमंद बने रहना काफी जरूरी है, लेकिन सेहतमंद से यहां मतलब बॉडीबिल्डिंग से नहीं है। सेहतमंद का मतलब शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय तथा सही जीवनशैली रखना है।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। अगर आपके शरीर पर वसा या अतिरिक्त चर्बी नहीं है, आपका रक्तचाप और शारीरिक जोड़ सही रहते हैं और साथ ही छोटी सी शारीरिक मेहनत करने में आलस या सांस नहीं फूलता तो आप एक सेहतमंद व्यक्ति कहला सकते हैं। सेहतमंद बनने के लिए आपको कुछ बेसिक टिप्स को अपनाना चाहिए, आइए उनके बारे में जानते हैं।

डायबिटीज छीन सकती है आपकी आंखों की रोशनी, इलाज की इस नई तकनीक से करें बचाव

ध्यान से काला मोतिया का बिना सर्जरी इलाज संभव-

1. सुबह के समय जल्दी उठें और रात को जल्दी सोने की कोशिश करें। साथ ही 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें। इससे आपको आलस महसूस नहीं होगा और मानसिक शांति रहेगी।

2. सोने से 2 घंटे पहले रात का आहार जरूर लेलें। इससे पाचनतंत्र पर अतिरिक्त प्रभाव नहीं पड़ता और आहार अच्छी तरह पच भी जाता है।

3. रोजाना हल्का व्यायाम या शारीरिक क्रिया जरूर करें। इससे सभी मांसपेशियां मजबूत रहती हैं और रक्त संचार बना रहता है।

4. बैठने-चलने या किसी शारीरिक कार्य को करते हुए अपने शरीर का पोस्चर सही रखें। ऐसा नहीं करने से आपको शारीरिक अंगों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

5. जंक फूड या तैलीय खाद्य पदार्थ से दूर रहें। क्योंकि यह आपके शरीर में वसा बढ़ाता है और मधुमेह, हृदयघात और उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियां देता है।

हैल्थ टिप्स

- प्याज और इमली की चटनी का कुछ दिनों तक लगातार सेवन करने से कब्जियत की शिकायत नहीं रहती।
- हारसिंगर का रस बीज हर रोज पानी के साथ लेने व बीजों का लई बनाकर बवासीर पर लगाने से मस्से (पाइल्स) ठीक होता है।
- जीरा दो तोला और धनिया दो तोला घी में भुनकर खाने से पित्त, अरुचि और मंदाग्नि रोग दूर होते हैं।
- गर्भवती महिला को कच्चे प्याज का सेवन कम करना चाहिये, क्योंकि प्याज तासीर में गर्म होता

दिवाली पर प्रदेश में रात 8 से 10 बजे तक फोड़ सकेंगे पटाखे

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर पटाखे फोड़ने के लिए दो घंटे का समय तय किया है। ये दो घंटे कौनसे होंगे, यह तय करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों पर छोड़ दी।

अब बड़ा सवाल यही रहा कि राजस्थान में पटाखे फोड़ने के लिए वे दो घंटे कौनसे होंगे ? इसी सवाल को लेकर भास्कर ने सरकार से बात की। गृह विभाग के स्पेशल सेक्रेट्री सूबेसिंह यादव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की जानकारी मिल गई है, लेकिन अभी ऑर्डर की कॉपी नहीं मिली है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देश भी नहीं मिले हैं। ये मिलते ही जिला कलेक्टरों एवं एसपी को निर्देश जारी कर दिए जाएंगे। हालांकि, सरकारी सूत्रों ने बताया कि यहां पटाखे फोड़ने के लिए रात 8 से 10 बजे का वक्त ही तय किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 अक्टूबर को पटाखे फोड़ने के लिए रात 8 से 10 बजे के बीच का समय निर्धारित किया था। लेकिन 30 अक्टूबर को आदेश में संशोधन करते हुए कहा था कि था राज्य सरकारें पटाखे फोड़ने का समय बदल सकती हैं, लेकिन यह दो घंटे से ज्यादा नहीं होगा।

दिवाली पर प्रदूषण मापने के लिए जयपुर समेत 8 शहरों में मशीनें

जयपुर। दीपावली के मौके पर पहली बार पटाखों से होने वाले प्रदूषण के धात्विक कणों की जांच होगी। इसके लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने 8 शहरों को चिन्हित किया है। यहां 16 स्थानों पर मैटल एनालिसिस के लिए आरडीएस मशीन एवं पीएम 10 एवं पीएम 2.5 स्थापित कर वायु गुणवत्ता की जांच होगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार दीपावली से 7 दिन पहले और दीपावली के 7 दिन बाद तक कि अवधि तय कि गई है। इस दौरान नियामक मानकों के अलावा एल्यूमीनियम, बेरियम, लौह सहित कई धात्विक कणों की जांच भी जाएगी।

8 शहरों में पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर रहेगी निगरानी

जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, भिवाड़ी, भरतपुर, अलवर, कोटा, चित्तौडगढ़

सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 19 नवम्बर को

जयपुर। न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 19 नवंबर, 2018 देवउठनी

एकादशमी को होने जा रहा है ऐसे परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ हैं वह अपनी मर्जी से बेटी का रिश्ता करने के बाद निचे दिए गए हैं नंबर पर सम्पर्क करे शादी पुरा खर्च न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से किए जायेगा व हर लाडली बेटी का नया जीवन शुरू करने के लिए संस्थान की ओर से विषेश उपहार में 50 वर्ग गज भूमि व 1 लाख रुपए मुल्य करिब का घर उपयोगी सामान उपवार स्वरूप दिया जायेगा। कार्यलय : फोर्थ फ्लोर 403 पुष्प एन्क्लेव 8 सेक्टर के सामने प्रताप नगर टोंक रोड जयपुर राजस्थान।

मो.: 8107877778

एआईएससीएएटी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरवा का स्वागत

जयपुर। ऑल इंडिया एसीएसटी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन की केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव में जोनल सचिव बी.एल. बेरवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर उनका जयपुर में स्वागत किया गया। एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष रामसिंह और सचिव हरिकिशन मीना ने बताया कि बैरवा का जयपुर आगमन पर उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरवा ने कहा कि एसोसिएशन मजदूरों के हक व उचित मोंगों के लिए हमेशा संघर्षरत रहेगा।

ई-मित्र की कई सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी

जयपुर। ई मित्र पर मिलने वाली कई सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। नए राशन कार्ड के लिए आवेदन करने, सदस्य का नाम जुड़वाना एवं अन्य सुधार करवाने के लिए ई मित्र पर आवेदन करना महंगा हो गया है। कई दूसरी सेवाओं के शुल्क में भी बढ़ोतरी हुई है। पहले नए राशन कार्ड आवेदन करने के लिए 32 रुपए शुल्क था जो अब 40 रुपए हो गया है। डुप्लीकेट राशन कार्ड बनाने के लिए पहले 21 रु. शुल्क लिया जाता था, जो अब 25 रु. हो गया है।

मूल निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने की राशि को 21 से बढ़ाकर 40 रु किया है। जाति प्रमाण पत्र आवेदन को भी 21 से बढ़ाकर 40 रुपए किया गया है। इसी तरह अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र आवेदन के लिए शुल्क को 21 से बढ़ाकर 40 रु किया है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उपनिदेशक महेंद्र चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश के बाद में ई मित्र पर मिलने वाली सेवा शुल्क की राशि में बढ़ोतरी की गई है।

स्कूलों में छात्रों के अनुपात में होगा शिक्षकों के पदों का पुनः निर्धारण

जयपुर। सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या के अनुपात में शिक्षकों के पदों का पुन: निर्धारण होगा।

इसके लिए शिक्षा विभाग ने संस्था प्रधानों को नए सिरे से स्कूलों में छात्र संख्या के साथ शिक्षकों की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर सबमिट करनी होगी। शिक्षा विभाग ने संस्था प्रधानों को पाबंद किया गया है। अब तक अधिकांश स्कूलों के संस्था प्रधानों ने यह सूचना अपडेट कर दी है, लेकिन कुछ ने अभी भरी नहीं है। सारी प्रकिया पूरी होने के बाद विभाग शिक्षकों के पदों का पुनर्- निर्धारण करेगा। प्रधानाचार्य रेसा पी के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. राजूराम चौधरी ने बताया कि स्कूलों में छात्र संख्या के अनुपात में पदों का पुनर्- निर्धारण होगा। इसके लिए शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों के संस्था प्रधानों को सारी सूचनाएं ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

विधानसभा आम चुनाव - 2018

मतदाताओं को फोटो युक्त वोटर स्लिप बांटने के लिए कार्य योजना बनाने के दिये निर्देश

जयपुर। आगामी 7 दिसम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव के लिए जयपुर जिले में मतदाताओ को फोटो युक्त वोटर स्लिप तथा प्रत्येक परिवार को वोटर गाईड उपलब्ध कराई जायेगी। उक्त कार्य जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ के माध्यम से सम्पादित किया जायेगा।

जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिद्धार्थ महाजन ने मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट में वीडियो कॉफ्रेन्स (वीसी) के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा करते हुये सभी रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) को इस कार्य के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये।

श्री महाजन ने वीसी में रिर्टर्निंग अधिकारियों को आदर्श मतदान केन्द्र और महिला बूथ से सम्बन्धित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने तथा विधानसभा चुनाव से सम्बन्धित सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिये।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं की मतदान केन्द्रों पर सुगमता के लिए मतदान के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए आरओ विकास अधिकारी, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी व निजी चिकित्सालयों की बैठक आयोजित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन विभाग के स्तर से मांगी जाने वाली सूचनाओं का समय पर सम्प्रेषण करने के लिए आरओ अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करें और आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विभागो के अधिकारियों से समन्वय रखते हुये जरूरी कार्यवाही करें।

वस्त्रदान व दीपावली स्नेहमिलन समारोह 18 नवम्बर को

जयपुर। समर्पण संस्था द्वारा नये व पुराने वस्त्रदान के लिए जयपुर मे कुल 24 वस्त्र संग्रहण केन्द्र स्थापित किये गये है। आप अपने नज़दीकी केन्द्र पर पुराने अच्छे कपड़े व नये वस्त्र दान कर सकते है। वस्त्रदान के लिए 30 अक्टूबर अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

वस्त्र संग्रहण केन्द्र प्रताप नगर के सेक्टर-5, 6, 8, 9, 19, 26 के अलावा बम्बाला पुलिया, गोवर्धन नगर, साँगानेर, राम नगर विस्तार, शास्त्री नगर, चित्रकूट वैशाली नगर, रामपुरा रोड़ दादूदयाल नगर, अजमेर रोड, संजय नगर, श्रीकल्याण नगर, महेश नगर , मानसरोवर, गोपालपुरा बाईपास ,विघाधर नगर , एयरपोर्ट में होंगे। संग्रहित सभी वस्त्रों को एकत्रित कर छँटाई करके शहर के विभिन्न क्षेत्रों व गाँवों मे ज़रूरतमंदों को भेंट किये जायेगें।

सभी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रशान्त बैरवा
सचिव-पी.सी.सी. एवं संरक्षक
प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था, (राज.)

महेश धावनिया
प्रदेशाध्यक्ष
प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, राज.

पंकज कुमार धावनिया
अध्यक्ष
राज.सचिवालय कर्मचारी संघ, जयपुर

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

रामनिवास सिंह
मैनेजर
पंजाब नेशनल बैंक से सेवानिवृत्त

दीपावली सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

कविराज रामलाल बैरवा
सांगानेर तहसील अध्यक्ष
प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, जयपुर

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com